ये अव्यक्त इशारे

सहजयोगी बनना है तो परमात्म प्यार के अनुभवी बनो

12-08-2025

परमात्म प्यार इस श्रेष्ठ ब्राह्मण जन्म का आधार है। कहते भी हैं प्यार है तो जहान है, जान है। प्यार नहीं तो बेजान, बेजहान हैं। प्यार मिला अर्थात् जहान मिला। दुनिया एक बूँद की प्यासी है और आप बच्चों का यह प्रभु प्यार प्रापर्टी है। इसी प्रभु प्यार से पलते हो अर्थात् ब्राह्मण जीवन में आगे बढ़ते हो। तो सदा प्यार के सागर में लवलीन रहो।

In order to be an easy yogi, be experienced in God's love.

God's love is the basis of this elevated Brahmin birth. It is said: "Where there is love, there is the world, there is life." Where there is no love, the heart is lifeless and without a place or world. Having found love, you have found the world. The world is thirsty for one drop of love, whereas for you children, God's love is your property. You are being sustained with God's love, that is, you are progressing in your Brahmin life. So, remain constantly merged in the Ocean of Love.